newsjankalyanseva@gmail.com

साप्ताहिक

जनकल्याण सेवा

ठाणे | वर्ष - २२ | अंक - २४ | ३ से ९ जुलाई २०२३ | पृष्ठ - ४ | कीमत : २ रु. | Postal Reg. No. PLG/08/2022-2024

संपादकीय

संपादक सीमा गुप्ता

मनपा की लापरवाही से शहर की बाढ स्थिती

हर साल की स्थायी समस्या बन चुकी है कि सामान्य से थोड़ी अधिक बारिश होते ही शहर जलमग्न हो जाते हैं। इस बार मानसून की पहली बारिश में ही विभिन्न शहरों में भारी जलभराव और लोगों के डूब कर मरने की खबरें आ गई। मुंबई में दो लोग मर गए। अभी अगले तीन दिनों तक भारी बारिश के अनुमान हैं, इसके लिए संबंधित विभागों को सतर्क रहने की चेतावनी दे दी गई है। यानी अभी और नुकसान की आशंका है। यह कोई पहली बरसात नहीं है, जब शहरों का जीवन इस तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। पिछले कई सालों से ऐसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है, मगर इसके स्थायी समाधान की तरफ कोई कदम बढ़ाया जाता नहीं दिखता। मुंबई में हर बरसात में लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो जाता है, रेल सेवाएं बाधित हो जाती हैं, मकानों के धंसने से कई लोगों की जान चली जाती है। मगर बरसात बीतते ही जैसे इस समस्या को भुला दिया जाता है। लंबे समय से यह बात रेखांकित की जा रही है कि शहरों के विस्तार के अनुसार जलनिकासी की समुचित व्यवस्था न होने की वजह से बरसात में ऐसी मुश्किलें पेश आती हैं। बढ़ती आबादी के अनुसार जलनिकासी आदि की व्यवस्था होना बहुत जरूरी है। मगर स्थिति यह है कि जो मुहल्ले पुराने हो गए हैं, वहां आबादी सघन होती गई है और जल निकासी की व्यवस्था पुरानी ही बनी हुई है। इस वजह से बरसात का पानी निकलने में काफी वक्त लग जाता है। फिर मुंबई आदि महानगरों में जलनिकासी के उन स्रोतों पर अवैध कब्जा हो चुका है, उनमें बस्तियां बस चुकी हैं, जिनके जरिए शहरों का पानी बह कर समुद्र या नदियों तक पहुंचता था। मुंबई की मीठी नदी इसका बड़ा उदाहरण है। शहरों के बीच से निकलने वाली ऐसी नदियों और जल निकासी के मकसद से बने नालों के भीतर तक अवैध बस्तियां बस गई हैं। उनसे जल निकासी बाधित हो चुकी है। शहरों के तालाबों और जल संग्रहण के प्राकृतिक स्रोतों पर भी इसी तरह कब्जा कर लिया गया है। इस वजह से भी मुहल्लों में लंबे समय तक जल भराव बना रहता है। फिर महानगरों में अनियोजित भवन निर्माण भी इसका बड़ा कारण है। अनेक जगहों पर अवैध रूप से बस्तियां तो बस जाती हैं, मगर उनमें बरसात के पानी के निकास की व्यवस्था नहीं हो पाती। कई जगहों पर लोग जल निकासी के लिए सीवर के मैनहोल खोल देते हैं, जिसके चलते भी हादसे होते हैं। हर साल इस तरह खोली गई भूमिगत नालियों में बह कर लोग दम तोड़ देते हैं। शहरों में जलजमाव का बड़ा कारण नगर निगमों की लापरवाही है। सड़कों के किनारे जल निकासी के लिए बनी जालियों को तोड़ दिया जाता है, जिसकी वजह से नालियों में कचरा भरता रहता है। कायदे से बरसात शुरू होने से पहले नगर निगम को उन नालियों की सफाई करनी चाहिए, ताकि बरसात का पानी सुगमता से निकल सके। मगर उसकी नींद तब खुलती है, जब बरसात हो जाती है और जगह-जगह जलभराव शुरू हो जाता है।

शरद पवार का उद्धव जैसा हाल ?

अजित पवार ने एनसीपी विधायकों के साथ महाराष्ट्र में बनाई गठबंधन की सरकार

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत से आज दोपहर बहुत बडी खबर सामने आई। जब एनसीपी नेता और शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने पार्टी विधायकों के साथ राजभवन पहुंचे। पवार के पहुंचने के बाद प्रदेश के सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस पहुंचे। इन दोनों नेताओं के मौजूदगी में एनसीपी नेता अजित पवार ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली। इसके अलावा एनसीपी के ९ विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इस पूरे मामले पर एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि, ये पार्टी की बैठक नहीं थी बल्कि विधायकों की बैठक

थी। बताया जा रहा है कि, अजित पवार के इस कदम से शरद पवार बेहद ही नाराज हैं। शरद पवार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि, दो दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एनसीपी के बारे कहा था कि एनसीपी खत्म हो चुकी पार्टी है। उन्होंने भ्रष्ठाचार के आरोपों का जिक्र किया। मुझे खुशी है कि मेरे कुछ साथियों ने आज शपथ ली है। उनकी सरकार(महाराष्ट्र) में शामिल होने से यह स्पष्ट है कि वे सभी आरोप मुक्त हो गए हैं। उन्होंने आगे कहा, मैंने ६ जुलाई को सभी नेताओं की एक बैठक बुलाई थी जहां कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी थी और पार्टी के भीतर कुछ बदलाव किए जाने थे। लेकिन उससे पहले ही कुछ नेताओं ने अलग रुख अपनाया है। उन्होंने आगे कहा, मुझे बहुत से लोगों के फोन आ रहे हैं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अन्य लोगों ने मुझे फोन किया है। आज जो कुछ भी हुआ मुझे उसकी चिंता नहीं है। कल मैं वाई.बी. चव्हाण (महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री) का आशीर्वाद लूंगा और एक सार्वजनिक बैठक करूंगा।

महा विकास अघाडी को धक्का लगा- रामदास अठावले

इस पूरे मामले पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि, अजीत पवार काफी समय से नाराज चल रहे थे। वे चाहते थे कि भाजपा के साथ उनका गठबंधन होना चाहिए लेकिन शरद पवार नहीं चाहते थे। यह बहुत ही बडा परिवर्तन है और इससे महा विकास अघाडी को धक्का लगा है।

अजीत कुलकर्णी व सुरेश वाकोडे के सेवानिवृत्त कार्यक्रम में उमडा जनसैलाब

जेकेएस संवाददाता

भायंदर। मीरा-भायंदर महानगर पालिका (मुख्यालय) के चौथे माले पर व्याप्त लेखा विभाग में कार्यरत कर्मठ अधिकारी लेखाधिकारी अजीत कुलकर्णी व अतिरिक्त शहर अभियंता सुरेश वाकोडे दिनांक ३० जून को शासन नियमानुसार सेवानिवृत्त हुए। उनका कार्यकाल स्वर्णिम रहा। लेखाधिकारी अजीत कुलकर्णी एक उच्च-अधिकारी के रूप में अपनी ख्याति अर्जित की है। सरकार, शासन, प्रशासन, सामाजिक संस्थाओं द्वारा उन्हें सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया है। लेखाधिकारी अजीत कुलकर्णी व अतिरिक्त शहर अभियंता सुरेश वाकोडे के सेवानिवृत्त होने के दिन मनपा पत्रकार कक्ष में आयुक्त दिलीप ढोले व पत्रकारों द्वारा उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं एवं बधाइयां

दी। उनके कार्यालय में मीरा-भायंदर महानगरपालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी, पूर्व नगरसेवक, समाजसेवक, ठेकेदार, पत्रकार भारी संख्या में उपस्थित थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार मीरा-भायंदर महानगरपालिका के लेखाधिकारी अजीत कुलकर्णी को उनके सेवानिवृति पर होनेवाले १ जुलाई २०२३ को एक विशेष कार्यक्रम में महाराष्ट्र लेखा व कोषागार , महाराष्ट्र-शासन के संचालक वैभव राजघाडगे , शुभांगी सेठ सहसचिव सेवानिवृत्त महाराष्ट्र-शासन अधिकारी, वित्त-विभाग, मीरा-भायंदर महानगर पालिका के मुख्यलेखापरीक्षक अधिकारी सुधीर नाकाडी , मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी , मिभामनपा डॉ. कालिदास जाधव आदि विशेष गणमान्य लोग उपस्थित होंगे। कर्मठ लेखाधिकारी अजीत कुलकर्णी के सेवानिवृत्त कार्यक्रम को सफल बनाने में राजीव सालुंखे, वसंत भालबर, भिसाजी जोईल, शिवशंकर गिरी, संतोष जाधव आदि गणमान्य लोगों की उल्लेखनीय भूमिका रही।

बीएसयूपी आवास घोटाले में फर्जी राशन कार्डों का जखीरा, आरोपी गिरफ्तार

जेकेएस संवाददाता

भायंदर । काशीमीरा की बीएसयूपी आवास योजना में हुए घोटाले की कलई परत दर परत खुलने लगी है।आरोपियों से ४५७ फर्जी राशन कार्ड की एक सूची मिली है।क्षेत्रीय शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक ने कहा कि वे इस मामले को विधानसभा में उठाएंगे और केस की जांच आर्थिक अपराध शाखा को सौंपने की मांग करेंगे। मालूम हो,इस आवास योजना में घर दिलाने के नाम पर लोगों को ठगने के आरोप में पुलिस ने अब तक ५ लोगों को गिरफ्तार किया है।एक आरोपी राशनिंग दुकान चलाता है।डीसीपी जयंत बजबले ने बताया कि १९९९ के स्टांप पेपर पर फर्जी सेल एग्रीमेंट तैयार किया गया ।बेचने वाले या तो जीवित नहीं थे या फिर फर्जी नाम का इस्तेमाल किया गया। ४५७ फर्जी राशन कार्ड की जो सूची मिली है उसे और फर्जी लाइट बिल,आवास योजना की फर्जी सर्वेक्षण रसीद का वेरीफिकेशन कराया जाएगा।लाभार्थियों की पूरी सूची का वेरिफिकेशन कराने के लिए पुलिस मीरा भायंदर मनपा को पत्र लिखेगी। इस आवास योजना में सिर्फ उन्हीं को घर मिलना था,जिनके झोपडे. थे।गिरफ्तार आरोपियों ने बाहर के लोगों को घर दिलाने के नाम पर ठगा।हर एक से ७ से १० लाख रूपया लिए थे।ठगी के शिकार हुए अब तक ६ लोग सामने आए हैं।घर की असल कीमत २० से २५ लाख रूपया है। लाभार्थी साबित करने के लिए फर्जी राशन कार्ड,सर्वेक्षण रसीद,एग्रीमेंट का सहारा लिया गया। हालांकि फर्जी दस्तावेज से कितने लोगों ने अब तक घर लिया है,यह अभी तक साफ नहीं हो पाया है।डीसीपी बजबले ने कहा कि फर्जीवाडा में जो लोग भी शामिल होंगे,सभी को आरोपी बनाया जायेगा। दूसरी तरफ मंगलवार को पत्रकारों से विधायक सरनाईक ने कहा कि बीएसयूपी आवास योजना में बहुत बडा घोटाला हुआ है।इसमें स्थानीय राजनीतिक कार्यकर्ता भी शामिल है।मामले की जांच के लिए उन्होंने ९ बार पुलिस व मनपा आयुक्त को पत्र लिखा।लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई। मामले को अब वे विधानसभा में उठाएंगे।

आखिर भूमाफिया इरफान पठान पर दाखिल हुई एफ. आय. आर.

सीमा गुप्ता की मेहनत लाई रंग

भाईंद्री : भाईंदर पश्चिम मिरा भाईंदर मनपा प्रभाग २ के अंतर्गत गणेश देवल नगर मे सिमला गल्ली नंबर ३ भाईंदर पश्चिम के आखरी छोर पर नमक विभाग कि खाली पडी जगह पर अवैध कब्जा करके २५.४ ट १२ चौरस फूट का इटऔर सिमेंट का अवैध बांधकाम करके पक्की रूम बनाने वाला इरफान पठान, जिस पर मिरा भाईंदर मनपा और नमक विभाग (राई मंडल) इसके पहले दो बार तोडक कारवाई कर चुके है। फिर भी थोडी जगह पर इरफान पठान ने फिरसे तिसरी बार अवैध तरीके से ईट सिमेंट का पक्का घर बनाया है। कानून के सारे नियम ताक पर रख कर भूमाफिया इरफान पठान कहते फिरता है मेरी पहुंच उपर तक है और मेरे उपर मेरे राजनीतिक आकाओं का आशीर्वाद है। इसलिये मात्र दिखावे की कारवाई मुझपर की जाती है। किसी भी सरकारी अफसर मे इतनी ताकत नही है की कोई मेरा बाल भी बाका कर सके। गणेश देवल नगर के एक समाजसेवक ने नाम न बताने की शर्त पे कहा कि झुटी मिठी बाते बोलने वाला इरफान पठान अपने पोहुंच के चलते रूम के जाली दस्तावेज भी बना चुका है। इसलिये पठान पर इमानदार अधिकारी ज्यादा

से ज्यादा कानूनन कलम लगाये और इस काम में पठान की सहायता करने वाले अधिकारी कर्मचारी और उसके सहयोगियो पर भी तुरंत गुनाह दाखल कर के छान बिन करके सही कारवाई करे। जनकल्याण सेवा के माध्यम से लोगो की समस्या दूर करने वाली, सत्य के लिये लडनेवाली सिमा गुप्ता ने धोखेबाज इरफान पठान का काला चिटठा छापकर जो साहस दिखाया है वो लोगो मे आज भी चर्चा का विषय बना है। सीमा गुप्ता के साथ जुडे हुए समाजसेवको ने जो साथ दिया है उसकी मेहनत आज रंग लाई है। इरफान पठान पर जो नमक विभाग के गुन्हा दाखल किया है एफआर्अआर ०२६१/२०२३. एलपीसी ४४७ के तहत भाईंदर (प) पोलीस ठाणे मे दर्ज हुई है और इमानदार नमक उप अधिक्षक गणेश जाधवजी का काम और मेहनत देखते हुये उन्होने पुरी जांच करके यह अवैध बांधकाम तोडने के लिये मिरा भाईंदर महानगरपालिका को पत्र लिखा है। अभी मिरा-भाईंदर महानगरपालिका के आयुक्त, अतिक्रमण के उपायुक्त कब तक कारवाई करते है इसका जनता को इंतजार है। पठाण की

शिकायत मुख्यमंत्री, जिल्हाधिकारी, ताहसीलदार, मिरा-भाईंदर महानगरपालिका आयुक्त और उपायुक्त अतिक्रमण विभाग, प्रभाग २ के प्रभाग अधिकारी और नमक विभाग के आयुक्त (जयपुर, राजस्थान) और नमक विभाग उपायुक्त बेलोर्ड पियर कार्यालयमेभी की गई है। इतनी शिकायत के बाद अभी पठाण का अवैध बांधकाम बचना बहुत मुश्किल है। वरिष्ट अधिकारी ने कहा है भविष्य मे नमक विभाग की जगा पर जिन लोगो ने अवैध कब्जा किया है उन पर सबसे सब कानून कारवाई की जायेंगी। जिससे भविष्य मे सरकारी नमक विभाग की जगा पर कोई भी अवैध कब्जां ना करे और सरकारी जगाह पर घर बनाकर गरीब जनता की लूट ना करे।

मिरा भाईंदर में निकाली साइकिल रैली,अंर्तराष्ट्रीय नशा निषेध दिन के उपलक्ष्य में

जेकेएस संवाददाता

भायंदर। अंर्तराष्ट्रीय नशा निषेध दिन के अवसर पर मीरा भायंदर, वसई विरार पुलिस आयुक्तालय की तरफ से साईकल रैली का आयोजन किया गया। नयानगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जितेंद्र वनकुटी एवं नवघर पुलिस स्टेशन की तरफ से सुबह- ८ बजे मनपा प्रभाग क्र.-२१ मे कसाडेला पूनम सागर मीरारोड से भायंदर पूर्व तक की साइकिल रैली में अरे गवानी लोगों ने भाग लिया। पुलिस प्रशासन द्वारा आयोजित नशामुक्ति के कार्यक्रम मे नशामुक्ति हेतु एक नाटक का मंचन भी किया गया। रैली में उपस्थित स्थानीय पूर्व नगरसेवक मनोज रामनारायण दुबे ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से निश्चित रूप से समाज में एक अच्छा संदेश जायेगा। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारी जयंत बजवले, उमेश पाटील, जितेंद्र वनकुटी, विजय पवार, पूर्व नगरसेवक अनिल विरानी, पूर्व नगरसेविका सीमा शाह, हेतल परमार, सारा अकरम समेत अनेक गणमान्य लोगों ने शामिल होकर लोगों को नशा मुक्ति जागरूकता का संदेश दिया।

उपनगरीय अस्पतालों में संविदा डॉक्टरों का फर्जीवाड़ा :फर्जी सर्टिफिकेट पर कर रहे थे प्रैक्टिस

मुंबई : मुंबई मनपा द्वारा संचालित मुलुंड से एम.टी. अग्रवाल अस्पताल के गहन चिकित्सा इकाइ (आईसीयू) में संविदा पर नियुक्त किए गए फर्जी डॉक्टरों के काम करने का मामला सामने आया है। बताया गया है कि ये डॉक्टर फर्जी सर्टिफिकेट का इस्तेमाल कर खुलेआम प्रैक्टिस कर रहे थे। हालांकि, फर्जीवाड़ा के उजागर होते ही मुंबई मनपा के स्वास्थ्य विभाग की नींद टूटी और वह सतर्क हो गया है। इसके तहत मनपा के १६ उपनगरीय अस्पतालों की आईसीयू में बाहरी स्त्रोतों द्वारा मुहैया कराए गए संविदा डॉक्टरों की डिग्री और प्रमाणपत्र की जांच करने का फैसला लिया गया है। इस संबंध में संबंधित अस्पतालों को आदेश जारी कर दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि मुंबई मनपा के उपनगरीय अस्पतालों में आईसीयू चलाने के लिए विभिन्न संस्थाओं को ठेका दिया गया है। इसी क्रम में मुलुंड में एम.टी. अग्रवाल अस्पताल में आईसीयू का ठेका जीवनज्योत ट्रस्ट को दिया गया था। कुछ दिन पहले अस्पताल के गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती एक व्यक्ति की मौत के बाद उसके परिजनों ने मामले की जांच के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। इस मामले पर संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने जांच के आदेश दिए थे। कोर्ट के आदेश के बाद मामले की जांच हुई तो पता चला कि इस अस्पताल में कार्यरत कुछ डॉक्टरों की डिग्री सर्टिफिकेट फर्जी थे। इस मामले पर संज्ञान लेते हुए मुंबई मनपा ने जीवनज्योत ट्रस्ट और अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित आईसीयू में सभी डॉक्टरों के डिग्री प्रमाणपत्रों की जांच करने का निर्णय लिया है। इससे पहले संताक्रुज में स्थित वी.एन. देसाई अस्पताल में भी कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर काम करने वाले डॉक्टरों की योग्यता पर सवाल उठाया गया था। अगस्त २०२२ में आईसीयू में मरनेवाले एक मरीज के मृत्यु प्रमाण पत्र में देरी हुई थी। इस पर अस्पताल में बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। इसके बाद पता चला कि कॉन्ट्रैक्ट पर कार्यरत डॉक्टर महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल से रजिस्टर्ड ही नहीं था। उस समय मनपा ने आईसीयू में अनुबंध के आधार पर डॉक्टर उपलब्ध कराने वाली संस्थाओं को पत्र भेजकर कहा था कि ऐसे डॉक्टरों को काम पर नहीं रखा जाए। लेकिन उसके बाद भी संस्थाएं आईसीयू में फर्जी डॉक्टरों की सेवाएं देकर मरीजों की जान से खिलवाड़ कर रही है।

परेशान होकर सड़क पर उतरे लोग : बोईसर की बदहाली!

पालघर : महाराष्ट्र की नामचीन बोईसर ग्रामपंचायत की बदहाली अब किसी से छिपी नहीं है। यहां के कई ऐसे इलाके है, जहां रहनेवाले लोगों के लिए मूलभूत सुविधाओं का मिलना सिर्फ एक सपना बन कर रह गया है। लेकिन अब वादे और आश्वासनों के भरोसे वर्षों से बैठे लोगों का सब्र जवाब देने लगा है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह यादव नगर इलाके में रहनेवाले भारी संख्या में छात्र और ग्रामीण सड़क पर उतर गए और ग्राम पंचायत और अधिकारियों के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। छात्रों का कहना था कि रास्ता जर्जर और कीचड़ होने के कारण उन्हें बारिश में जान हथेली पर रखकर स्कूल जाना पड़ रहा है। बार -बार शिकायत के बाद भी ग्राम पंचायत और जनप्रतिनिधियों की कुंभकर्णी नींद टूट नहीं रही है, जिससे लोग कई बार दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं। बोईसर और आस-पास के इलाके की जनसंख्या लाखों में है और लगातार बढ़ रही है, लेकिन सुविधाओं के मामले में आज भी ये शहर काफी पिछड़ा हुआ है। यादव नगर, धनानी नगर, थावर पाड़ा, दांडी पाड़ा जैसे इलाकों में रहनेवाले हजारों लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए दर-दर की ठोकर खाने को आज भी मजबूर है। सड़कें बदहाल हैं। नालियों के अभाव में घरों से निकलने वाला गंदा पानी सड़कों और गलियों में बहता रहता है। इन इलाकों के आधे से अधिक भाग में जलनिकासी की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में यहां रहनेवाले लोगों के साथआने-जाने वालों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। ब्रिजेश यादव ने बताया कि बोईसर तारापुर एमआईडीसी स्थित फैक्ट्रियों के काम करने वाले बड़ी संख्या में मजदूर यहां रहते है। लेकिन न तो गटर है न ही रोड और न ही रोड लाइट, जिससे लोग रात में अपने घरों तक से निकलने में कई बार सोचते है। एक अन्य रहिवासी ने कहा कि सुविधाओं के अभाव लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर है। सिर्फ रोजी रोटी के लिए दिन काट रहे है। यादव नगर के श्री रघुवीर एंड जूनियर कालेज के प्रिंसिपल वीरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि उनके स्कूल में करीब तीन हजार बच्चे पढ़ते है। लेकिन स्कूल तक आने वाली सड़क की दुर्दशा के कारण अक्सर बच्चे सड़क पर गिरकर जख्मी हो जाते है। जिससे पहले घायल छात्र की मलहम पट्टी करनी पड़ती है फिर पढ़ाई शुरू होती है। वीरेंद्र यादव ने कहा कि सड़क खराब होने के कारण बरसात में स्थिति और भयानक हो जाती है। यहां तक छोटे बच्चे तो स्कूल ही नहीं आ पाते है। इसकी शिकायत वरिष्ट अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों तक की गई। जब कोई सुनवाई नहीं हुई तो स्कूल में पढ़ने वाले छात्र प्रदर्शन को मजबूर हुए। स्कूल के छात्र-छात्रा और अभिभावक कहते हैं कि स्कूल जाने वाले रास्ते की हालत बहुत खराब है। यहीं कारण है कि बहुत छात्र-छात्राएं बरसात में स्कूल नही जा पाते। बारिश में सड़क पर जल भराव व कीचड़ हेने के कारण मुश्किलों का सामना ज्यादा करना पड़ता है। ग्रामीणों की समस्या का समाधान जल्द किया जाएगा।

पानी-पानी पालघर ! :कई गांवों का संपर्क टूटा

पालघर : पिछले चार दिनों से लगातार हो रही बारिश ने जन-जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। शनिवार तड़के से हो रही बरसात के कारण होनेवाले जलभराव ने भयावह रूप ले लिया है। जिले में सूर्या, पिंजाली, देहेर्जा, वैतरणा, गरगई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। देहेर्जा नदी पर ब्राह्मणगांव में बना पुल पानी में डूब जाने के कारण कांचाड-कुंज मार्ग पर सुबह से ही यातायात अवरुद्ध हो गया। पीक-गारगांव रोड पर यातायात रोक दिया गया है, क्योंकि गरगई नदी पर शिलोत्तर में बना पुल पानी में डूब गया है। कांचाड-कुर्जे वाडा-विक्रमगड़ तालुका को जोड़नेवाली एक महत्वपूर्ण जिला सड़क है। इस मार्ग पर दो गांव ब्राह्मणगांव-कुंरजे के बीच देहेर्जा नदी पर एक पुल है। लेकिन इस पुल की ऊंचाई कम है, इसलिए मानसून के दौरान भारी बारिश के दौरान यह पुल हमेशा पानी में डूब जाता है। कभी-कभी इस क्षेत्र के नागरिकों का चार-चार दिन तक तालुकाओं से संपर्क टूट जाता है। यहां के एक सामाजिक कार्यकर्ता किशोर शेलार ने पालघर के पालक मंत्री और लोक निर्माण मंत्री रवींद्र चव्हाण से इस पुल की ऊंचाई बढ़ाने का अनुरोध किया है। मूसलाधार बारिश से शिलोत्तर में गरगई नदी पर बना पुल डूब गया है।

क्या कर रही वर्दी ? ठाणे में बढ़ रही गुंडागर्दी !

जेकेएस संवाददाता

ठाणे : एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बने हुए एक वर्ष हो चुके हैं। इस एक वर्ष में ठाणे में महिलाओं से छेड़छाड़ से लेकर गुंडागर्दी जैसे अनेक मामलों को गुंडों ने अंजाम दिया। ठाणे स्थित धर्मनगर इलाके में कुछ गुंडों ने रात में लाइट बंद कर ब्लैक आउट कर गाड़ियों की तोड़फोड़ की। इस घटना में करीब ११ गाड़ियों को तोड़ा गया। वर्दीवाले क्या कर रहे हैं? ऐसे सवाल उठने लगे हैं। बता दें कि महाविकास आघाड़ी सरकार को साजिश के तहत गिराकर सत्ता में

आई शिंदे-फडणवीस सरकार के कार्यकाल में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। महिलाओं पर हमले और बदसलूकी की घटनाएं तो ताजा हैं ही, अब तो ऐसा लग रहा है कि मुख्यमंत्री के ठाणे में गुंडागर्दी का दौर शुरू हो गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार की रात ठाणे के धर्मवीर नगर में दस से बारह लोगों के गैंग ने सचमुच ठाणे को हिलाकर रख दिया। इस ग्रुप ने सड़क पर खड़ी निजी कारों में तोड़फोड़ की। रात में लाइटें बंद करके इलाके को पूरी तरह से ब्लैकआउट कर दिया और कारों के शीशे तोड़े। गिरोह ने भाजपा विधायक के नाम वाली एक एंबुलेंस को भी निशाना बनाया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और नागरिकों ने बदमाशों पर नकेल कसने और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह राजनीतिक गुंडों द्वारा अंजाम दी गई घटना है, जिस प्रकार गुंडों ने भाजपा विधायक संजय केलकर के फोटो एंबुलेंस की तोड़फोड़ की है, उससे पता चलता है कि यह एक राजनीतिक स्टंट है। ठाणे पुलिस ने अज्ञात हमलावरों पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

शिंदे गुट ने दक्षिण भारतीय भवन का किया उद्‌घाटन

जेकेएस संवाददाता

भायंदर। शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक के प्रयासों से शिंदे-फडणवीस सरकार द्वारा मीरा-भायंदर महानगरपालिका क्षेत्र में विभिन्न समुदायों के लिए समाज भवन की सौगात दी जा रही है। इसी कडी में दक्षिण भारतीय समाज भवन के निर्माण कार्य का भूमि-पूजन उत्तर मुंबई के भाजपा सांसद गोपाल शेट्टी के हाथों हुआ। इस अवसर पर स्थानीय विधायक प्रताप सरनाईक, मनपा के शहर अभियंता दीपक खांबित,

शिवसेना के जिला प्रमुख राजू भोईर, उप जिला प्रमुख विकास पाटिल, महिला जिला संगठक निशा नार्वेकर, मीरा-भायंदर विधानसभा प्रमुख विक्रम प्रताप सिंह, ओवला-माजीवाडा विधानसभा प्रमुख डॉ सचिन मांजरेकर, उप शहर प्रमुख मुस्तफा सिफन वनारा, युवा नेता सलमान हाशमी समेत पार्टी के तमाम पदाधिकारी एवं शहर में रहने वाले दक्षिण भारतीय बंट्स संघ के समाजबंधुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

डीसीपी सौरभ त्रिपाठी की वापसी

मुंबई। अंगडिया जबरन वसूली मामले में निलंबित डीसीपी सौरभ त्रिपाठी का सस्पेंशन एक साल बाद कैंसिल करके उनकी पुलिस सेवा में वापसी हो गई है। पिछले साल मार्च में अंगडिया वसूली मामले में मुंबई के वांछित डीसीपी सौरभ त्रिपाठी की हवाला की रकम लेने के आरोप में लखनऊ में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था। उस समय पुलिस ने बताया था कि सौरभ त्रिपाठी इस मामले में आरोपी हैं। इस बीच नवंबर महीने में कोर्ट ने उन्हे गिरफ्तारी से राहत देते हुए जांच के लिए मुंबई पुलिस का

सहयोग करने का आदेश दिया था। इसके बाद ९ नवंबर को त्रिपाठी का बयान दर्ज किया गया था। अब पुलिस जांच के बाद त्रिपाठी का सस्पेंशन रद्द कर दिया गया है। इससे त्रिपाठी की वापसी हो गई है।

ड्रग्स के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

वसई : एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत विरार पुलिस द्वारा विरार पश्चिम इलाके से ब्राउन शुगर व गांजा तस्करी करने के मामले में दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। इन दोनों के ऊपर विरार पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, २४ जून को रात्रि ९.३० बजे के आसपास विरार पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर जकातनाका विरार पश्चिम क्षेत्र से दो शख्स को ब्राउन शुगर व गांजा के साथ धर दबोचा. पुलिस ने बताया कि मेहुल मोहन आमरे (३६) व सुरेंद्र ओमप्रकाश चौधरी (२७) के पास ४८ ग्राम ब्राउन शुगर (कीमत १,२०,००० रुपये) व ७०० ग्राम वजन गांजा (कीमत-९,००० रुपये) जप्त किया। कुलमिलाकर पुलिस ने उपरोक्त आरोपी के पास से १,२९,००० रुपये का उक्त माल जप्त किया है। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता पुलिस हवालदार विशाल लौहार की शिकायत पर उपरोक्त थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

मोहसिन खान छिडा बकराकांड विवादों में

जेकेएस संवाददाता

भायंदर। मीरा रोड,विनय नगर के जे.पी नॉर्थ गार्डन सिटी की एक गगनचुंबी इमारत के १६ वीं मंजिल पर कुर्बानी के बकरे लाकर रखने को लेकर हुए बवाल में नया मोड़ और खुलासा हुआ है। मोहसिन खान शिवसेना (शिंदे गुट) का शाखा प्रमुख है। काशीमीरा पुलिस ने मोहसिन खान और उसकी पत्नी यास्मीन के खिलाफ छेड़खानी, धमकी,गाली गलौज की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। दंपती के खिलाफ ६३ साल की सुमन मेहंदीरत्ता ने शिकायत दी थी,जो बगल की एलोरा बिल्डिंग में रहती हैं। पीड़ित सुमन के बयान के मुताबिक एस्टेला बिल्डिंग में रहने वाले सादिक मापारी ने २५ से २८ जून तक सोसाइटी परिसर में बकरे रखने की परमिशन ईमेल भेजकर मांगी थी। जिसे सोसाइटी ने नकार दिया। हालांकि अगली एजीएम में इस विषय पर चर्चा करने की बात कही थी। २५ जून को थाने में हुई शांतता कमेटी की बैठक में पुलिस ने सोसायटी के लोगों से नियमों का पालन करने को कहा था। दर्ज एफआईआर में आरोप है कि मोहसिन खान गाडी में बकरे भरकर लाया। गेट पर सिक्योरिटी को चेक नही कराया और गाड़ी लेकर सीधे पार्किंग एरिया में चला गया। वहां से बकरे घर में ले गया। सोसायटी के लोगों के विरोध करने पर उल्टे कहा कि और ४० बकरे लाऊंगा और यहीं पर काटूंगा भी। एफआईआर के मुताबिक बाद में रात ८.३० बजे मोहसिन बाहर से पत्नी के साथ आया। सिक्योरिटी ने उसकी गाड़ी की डिग्गी की तलाशी लेनी चाहिए। लेकिन उसने ऐसा करने नही दिया। उस समय वहां पर मौजूद सोसायटी के लोगों से उसकी बहस हो गई। आरोप है की उसने धमकाया कि और १०० बकरा लाकर रखूंगा। इस बात पर कहासुनी शुरू हो गई। सुमन का आरोप है कि इस दौरान मोहसिन ने उन्हें बुढ़िया बोला और उनके साथ ने वह और उसकी पत्नी ने धक्का-मुक्की,गाली गलौज की। मोहसिन खान ने कहा कि उनके खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर पूरी तरह झूठी है।वैसे भी सुमन मेरी मां की उम्र की हैं। उनके साथ छेड़खानी की वारदात हुई थी,तो उसी समय एफआईआर दर्ज कराने थाने क्यों नहीं गईं ? सुमन ने कहा है कि वाकए के बाद उनकी बीपी और शुगर लो हो गई थी,जिसकी वजह से वह शिकायत करने नही जा सकीं। पुलिस तो घर पर भी जाकर बयान लेती है। इत्तला क्यों नहीं दीं ? मोहसिन ने सवाल किया कि सुमन बगल की बिल्डिंग में रहती हैं, तो यहां क्या करने आई थीं ? मोहसिन खान बोरीवली पश्चिम में शाखा क्रमांक ८ का शाखा प्रमुख है। उसके मुताबिक १० दिन पहले ही उसकी नियुक्ति हुई थी। उसने बताया कि मुसीबत में पार्टी ने उसके साथ खड़ी नहीं हुई।ऐसी पार्टी किस काम की।इसलिए वह पार्टी के व्हाट्सएप ग्रुप से खुद लेफ्ट हो गया। दूसरी तरफ शिवसेना विधायक प्रकाश सुर्वे ने कहा कि मोहसिन खान को पार्टी से निकाल दिया गया है।गलत काम करने वालों की पार्टी में जगह नहीं है।

जलमग्न हुआ मिरा भाईंदर, मनपा की खुली पोल

जेकेएस संवाददाता

भाईंदर : बुधवार को हुई बारिश में मीरा-भायंदर के कई परिसरों में जल-जमाव हो गया। कहीं कमर भर पानी तो कहीं घुटनों से ऊपर पानी जमा हो गया। कुछ परिसर में घरों के अंदर भी पानी चला गया। ज्ञात हो कि मीरा-भायंदर में बड़े-छोटे मिलाकर लगभग १५५ से १६० नाले हैं। हालांकि, इन नालों की सफाई बारिश शुरू होने के पहले हर वर्ष की जाती है। इस वर्ष भी लगभग ५ करोड़ रुपए खर्च कर नाले की सफाई की गई थी। सफाई के दौरान मीरा-भायंदर के मनपा आयुक्त दिलीप ढोले सहित मनपा के कुछ अधिकारियों ने सफाई कार्य का निरीक्षण करते हुए सोशल मीडिया व अखबारों में खूब वाहवाही लूटी थी, लेकिन परिणाम इसका उल्टा रहा। बुधवार को हुई बारिश ने इसकी पूरी तरह से पोल खोलकर रख दी है। मीरि-भायंदर के कई परिसर जैसे भायंदर (पूर्व) के घोड़देव गांव, बी.पी. रोड, केबिन रोड, काशीनगर गोडदेव, गोल्डन नेस्ट, हनुमान नगर रहिवासी क्षेत्र, गैस गोडाउन औद्योगिक क्षेत्र, पांचाल इंडस्ट्रीयल एस्टेट, कस्तूरी इंडस्ट्रीयल एस्टेट, रामदेव पार्क, भायंदर (प.) के बेकरी गली, कोमड़ी गली, मैक्सेस मॉल के पीछे, मीरा रोड के मीरा गांव, कृष्णा स्थल, ट्रांजिट वैंप, हटकेश गौरव संकल्प, पूनम गार्डन, कनकिया बेवर्ली पार्क इत्यादि जगहों में जल- जमाव हुआ है।

समृद्धि एक्सप्रेसवे पर बस में लगी आग मौत के मुंह में समा गए २६ यात्री !

जेकेएस संवाददाता

मुंबई: एक्सीडेंट और सुविधाओं की कमी के लिए चर्चित समृद्धि एक्सप्रेसवे एक बार फिर शनिवार को एक दुखद घटना की वजह से वापस से खबर में आ गया है। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर बस में आग लगने से २६ यात्रियों की मौत हो गई। मरने वालों में ३ बच्चे हैं और बाकी वयस्क हैं। पुलिस ने बताया कि निजी ट्रैवल्स की बस नागपुर से पुणे जा रही थी, तभी पिंपलखुटा गांव के पास देर रात करीब १.३० बजे वह एक खंभे से टकराते हुए डिवाइडर से टकरा गई। डिवाइडर से टकराने के बाद बस पलट गई और आग लग गई। एक अधिकारी ने कहा कि बस में कम से कम ३३ यात्री थे, जिसमें से सात यात्री घायल हो गए, उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने बताया कि कई यात्री नागपुर, वर्धा और यवतमाल के थे। पुलिस अधिकारियों ने मृतकों के बारे में विवरण और यह त्रासदी वैंसे घटी, इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बस नागपुर से पुणे जा रही थी। उसी दौरान रात करीब १:३० बजे टायर फटने के बाद यह दुर्घटना हुई, जिससे बस में आग लग गई। बाद में डीजल टैंक

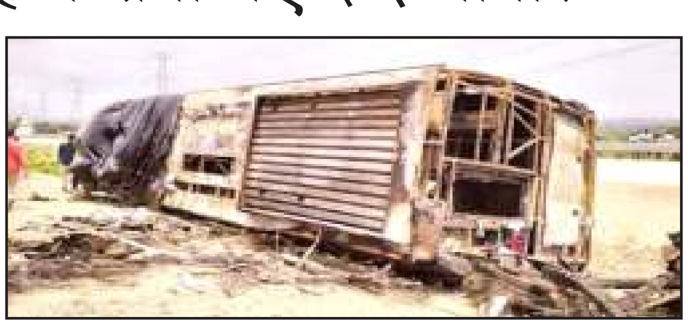

में आग लग गई। जाको राखे साइयां, मार सके ना कोय कहावत विदर्भ ट्रैवल्स बस हादसे में सफर करनेवाले आयुष घाडगे नामक युवक के साथ चरितार्थ हुई है। इस हादसे में बचे यात्रियों में से एक आयुष नागपुर के बुटाबोरी से पुणे जा रहा था। उसके तीन और साथी भी इसी बस से सफर करनेवाले थे लेकिन अचानक उनका प्लान बदल गया। उन्होंने वणी से दूसरी बस पकड़ ली। दुर्घटना को लेकर आयुष ने कहा कि रात को सभी ने भोजन किया और बस सरपट निकल पड़ी। देर रात करीब डेढ़ बजे के दौरान तेज आवाज हुई। साथ ही दो-तीन लोग मेरे ऊपर गिर पड़े और मैं उठ गया। बस में मैं सीट नंबर तीन पर बैठा हुआ था। इसलिए मुझे बाहर निकलने में खासा कठिनाई नहीं हुई। कांच तोड़ दिया और मेरे साथ अन्य दो लोग भी बस से बाहर निकल गए। सर्तकता के चलते मेरी जान जाते जाते बची। मेरे दोस्तों की बस दुर्घटना के बीस मिनट बाद पीछे से आ गई। मुझे जिंदा देखकर मेरे दोस्तों ने राहत की सांस ली। लेकिन इस सफर में अन्य यात्री बुरी तरह से जल गए। हादसे में बचे ड्राइवर ने घटना की बताते हुए कहा कि बस शुक्रवार शाम ६ बजे नागपुर से रवाना हुई। फिर बस यवतमाल और वर्धा से होकर गुजरी और रात करीब १२ बजे लंच के लिए कारंजा लॉज में रुकी। खाना खत्म करने के बाद बस आगे की यात्रा पर निकल पड़ी। तभी वर्धा, कारंजा से कुछ यात्री बस में चढ़े। शुक्रवार आधी रात करीब डेढ़ बजे बस का टायर फट गया। नतीजा यह हुआ कि बस सड़क पर बने डिवाइडर से टकराकर पलट गई। ड्राइवर ने बताया कि बस का डीजल टैंक फट गया और गाड़ी में आग लग गई।

वो फर्जी ठेकेदार, कंपनियां किसकी ? : बदलापुर में ६०० करोड़ का कोविड महाघोटाला !

जेकेएस संवाददाता

ठाणे : बदलापुर नगर परिषद में करीब ६०० करोड़ के कोविड घोटाले का चौंकानेवाला मामला सामने आया है। भाजपा के नगरसेवक संभाजी शिंदे ने खुद इस मामले का भंडाफोड़ करते हुए आरोप लगाया है कि कोविड काल के दौरान प्रशासक रहे मुख्य अधिकारियों ने नियमों को दरकिनार कर जिलाधिकारी से अनुमति लिए बिना ही करोड़ों रुपए का महाघोटाला किया है। ऐसे में प्रशासकों द्वारा किया गया यह महाघोटाला कहीं समन्वय समिति में शामिल गद्दार गुट के पूर्व नगराध्यक्ष वामन म्हात्रे और सभी विभागों के प्रमुखों की मिलीभगत से तो नहीं किया गया है, ऐसा सवाल करते हुए ये बोगस ठेकेदार कंपनियां किसकी हैं, इसकी जांच करने की मांग बदलापुरवासियों ने की है। अप्रैल २०२० में महापालिका का कार्यकाल समाप्त होने के बाद, राज्य सरकार द्वारा अक्टूबर २०२० से उल्हासनगर के तत्कालीन उपविभागीय अधिकारी दीपक पुजारी को कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद का प्रशासक नियुक्त किया गया है। अत: विगत तीन वर्षों से आज तक प्रशासक एवं मुख्य अधिकारी दीपक पुजारी ही नगर परिषद का कामकाज देख रहे हैं। चूंकि महाराष्ट्र नगर पालिकाएं, नगर पंचायतें और औद्योगिक शहर अधिनियम, १९५६ में प्रशासनिक नगराध्यक्ष के अधिकार के संबंध में कोई उल्लेख नहीं है। ऐसे में पुजारी, जो एक प्रशासक हैं, उन्होंने नगराध्यक्ष के अधिकार का लाभ उठाया। मार्च २०२० में, राज्य सरकार ने स्थानीय प्रशासन को कोविड-१९ महामारी के दौरान जिलाधिकारी की मंजूरी के बाद जनता के लिए विशेष नियम लागू करने और खर्च करने का अधिकार दिया था। इसी का लाभ उठाते हुए प्रशासक ने किसी भी प्रक्रिया को पूरा किए बिना सैकड़ों करोड़ रुपयों के प्रस्ताव फर्जी तरीके से अपने अधिकार का दुरुपयोग करके मंजूर किया, ऐसा आरोप भाजपा के नगरसेवक संभाजी शिंदे ने लगाया है। इस घोटाले के जिम्मेदार लोगों की जांच करके उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए, ऐसी मांग शिंदे ने उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस से की है।

कर्ज नहीं लौटा पाया तो की आत्महत्या ! जंगली रम्मी खेलने में हार गया था पैसा

नई मुंबई : पनवेल में रहने वाले एक ५५ वर्षीय व्यक्ति द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना से लोगों में आक्रोश व्याप्त है। पुत्र ने जब घर के अंदर प्रवेश किया तो पिता को फांसी के फंदे पर लटका हुआ देख उसके पैरों के नीचे की जमीन खिसक गई। आनन-फानन में पिता को नीचे उतारा और उपजिला अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बारे में पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने मामले

की जानकारी लेते हुए शिकायत दर्ज की और जब जांच शुरू की तो चौंकाने वाला तथ्य सामने आया। सुसाइड नोट से यह खुलासा हुआ कि मौत के पीछे की वजह कर्ज है। कर्ज वापस नहीं कर पाने की वजह से उसने आत्महत्या की है। पनवेल शहर पुलिस स्टेशन के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक प्रमोद पवार के मुताबिक, पनवेल परिसर में रहने वाले ५५ वर्षीय व्यक्ति ने अपने घर के अंदर पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। मृतक ने सुसाइड नोट में लिखा है कि वह कर्ज नहीं लौटा पाने के कारण आत्महत्या कर रहा है। सुसाइड नोट में यह भी लिखा है कि पैसे कमाने के लिए उसने शॉर्ट कट रास्ता अपनाने की कोशिश की थी और वह ऋण की राशि को जंगली रम्मी खेलने में हार गया। पैसे कमाने के लालच में जंगली रम्मी खेलना शुरू किया और पूरी तरह से बर्बाद हो गया। हालांकि, जंगली रम्मी को लेकर घटी इस वारदात को लेकर परिजनों सहित अन्य नागरिकों में गुस्सा है। फिलहाल, पुलिस मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

हाल ही में पुल बना और बारिश में धुला

सत्ता संवाददाता

भायंदर: मुंबई–अमदाबाद हाइवे पर नवनिर्मित वर्सोवा पुल ने केंद्र सरकार की पोल खोल दी है। तीन महीने पहले ही यातायात के लिए शुरू हुए इस पुल पर पहली ही बारिश में गड्ढे पड़ गए हैं। ऐसे में इस पुल की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। ज्ञात हो कि मुंबई–अमदाबाद महामार्ग पर मुंबई और ठाणे से आनेवाले तथा वसई–गुजरात की ओर जानेवाले वाहनों की आवाजाही के लिए केंद्र सरकार के राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा घोड़बंदर स्थित वर्सोवा खाड़ी पर चार लेन पुल का निर्माण किया गया है। लगभग २४७ करोड़ रुपए की लागत से बना यह नवनिर्मित वर्सोवा पुल २८ मार्च को वाहनों के लिए खोला गया था। वेलकर पेट्रोल पंप से वसई के ससुनवघर तक सवा दो किलोमीटर लंबे इस पुल को शुरू हुए अभी तीन माह से भी कम समय हुआ है, जबकि पुल पर पहली बारिश में ही बड़े–बड़े गड्ढे हो गए हैं। उक्त पुल पर वाहनों का आवागमन ज्यादा है, ऐसे में बड़े–बड़े गड्ढे पड़ने से दुर्घटना व जनहानि का भय बना रहता है। ऐसे में इस नवनिर्मित पुल की गुणवत्ता को लेकर चौतरफा आलोचना होने लगी है। लोगों ने इस पर नाराजगी जताते हुए पुल पर बने इन गड्ढों को तत्काल पाटने सहित संबंधित कार्य की जांच कर तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है। इससे पहले भी सांसद राजन विचारे और सांसद राजेंद्र गावित सहित कई पार्टियों के नेताओं ने पुल निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाए थे।

जब तक मराठों को आरक्षण नहीं मिल जाता, तब तक मैं साफा नहीं बाधूंगी - पंकजा मुंडे

मुंबई : भाजपा की राष्ट्रीय सचिव पंकजा मुंडे का कल बीड़ में दिया गया बयान चौंकानेवाला है। बताया जा रहा है कि वह पिछले कुछ समय से भाजपा से नाराज हैं। उन्हें अन्य दलों से भी ऑफर आए हैं। बीड में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए पंकजा मुंडे ने कहा कि जब तक मराठों को आरक्षण नहीं मिल जाता, तब तक मैं साफा नहीं बाधूंगी। उन्होंने आगे कहा कि ओबीसी समाज का आरक्षण खतरे में था, तो मैंने कहा था कि मैं गले में फूलों की माला नहीं पहनूंगी। उन्होंने आगे कहा कि हमें दूध पिलाया जाता है लेकिन अब समय आ गया है कि छाछ (ताक) को भी फूंक–फूंककर पीया जाए। २०२४ इतिहास रचनेवाला यानी इतिहास बदलनेवाला साल है। आप सभी की निस्वार्थता मुझे देखनी है। मुंडे के इस बयान के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि २०१९ में बीड में कुछ

हादसे हुए। अब २०२४ में ऐसा नहीं होगा। प्रदेश अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि वे पंकजा ताई के नेतृत्व में आगामी चुनाव लड़ें जाएंगे। कार्यक्रम के पहले मीडिया से बातचीत करते हुए पंकजा मुंडे ने कहा कि सभी दल मेरे संबंध में सकारात्मक बोल रहे है। तो मेरे द्वारा किसी के बारे में नकारात्मक बोलने का सवाल ही नहीं उठता। मैंने फिलहाल मुझे मिले प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार नहीं किया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार नहीं करूंगी। क्योंकि किसी भी व्यक्ति को गंभीरता से न लेना उनका अपमान है। पंकजा मुंडे के इस बयान से हड़कंप मच गया है। पंकजा मुंडे के उक्त बयान के बाद यह कयास लगाए जा रहे है कि वे अन्य दल में जाने की भी तैयारी में है। पिछले कुछ सालों से पंकजा मुंडे और देवेंद्र फड़णवीस के बीच शीत युद्ध चल रहा है। २०१९ में पंकजा मुंडे ने परली में अपनी हार के लिए विपक्षी उम्मीदवार पर मदद मुहैया कराने का आरोप अपनी ही पार्टी लगाया था। इसके बाद सांसद प्रीतम मुंडे की जगह भागवत कराड को केंद्र में राज्य मंत्री बनाए जाने पर पंकजा मुंडे ने सार्वजनिक तौर पर नाराजगी व्यक्त की थी। इसलिए कल का उनका बयान सबका ध्यान खींच रहा है। पंकजा मुंडे निकट भविष्य में अपनी पार्टी बदलेंगी क्या? ऐसा सवाल उठ रहा है। उन्हें एनसीपी, बीआरएस, एमआईएम से ऑफर मिला है।

विधायक गीता जैन के थप्पड के मामले में लगा पुर्णविराम, शिकायकर्ता ने वापस ली शिकायत

जेकेएस संवाददाता

भायंदर: मीरा–भायंदर मनपा के जूनियर इंजीनियर की पिटाई (थप्पड़ कांड) का मामला पिछले कई दिनों से सुर्खियों में था। जिसे लेकर भाजपा के पूर्व विधायक नरेंद्र मेहता और निर्दलीय विधायक गीता जैन में जंग छिड़ गई थी। आखिरकार दोनों इंजीनियरों ने पुलिस से अपनी शिकायत को वापस लेकर इस मामले में पूर्ण विराम लगा दिया है। वहीं लोगों का कहना है कि गीता जैन से बदला लेने का मेहता का सपना अब चकनाचूर हो गया। मेहता चाहते थे कि जैन पर एफआईआर दर्ज कराई जाए। मनपा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि मनपा के इंजीनियरों ने बुद्धिमानी दिखाई, जो अपनी शिकायत वापस लेकर इस विवादित प्रकरण को खत्म कर दिया। इस मुद्दे को लेकर स्थानीय नेता पब्लिसिटी स्टंट कर रहे थे। बता दें कि विधायक गीता जैन ने

मनपा के जूनियर इंजीनियर शुभम पाटील को सरेआम थप्पड़ जड़ दिया था। जिसकी लिखित शिकायत जूनियर इंजीनियर शुभम पाटील और संजय सोनी ने काशीमीरा पुलिस स्टेशन में की थी। पिछले कई दिनों से यह मामला चर्चा में रहा। इसी को लेकर नरेंद्र मेहता ने सोमवार को प्रेसवार्ता कर मनपा आयुक्त पर डरने और कार्रवाई नहीं करने जैसा गंभीर आरोप भी लगाया था। मेहता का कहना था कि अगर यही थप्पड़ किसी मनपा उपायुक्त या आयुक्त पर पड़ता तो क्या शासन–प्रशासन तब भी चुप बैठता और किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं होती! इन्हीं मुद्दों को लेकर मेहता जहां मनपा आयुक्त दिलीप ढोले को टार्गेट कर रहे थे, वहीं गीता जैन से पुरानी खुंदक का बदला लेने का प्रयास कर रहे थे, ऐसी बातें चर्चा में जोरों पर है। ऐसा भी कहा जा रहा है कि मनपा के दोनों इंजीनियरों ने शिकायत वापस लेकर मेहता के अरमानों पर पानी फेर दिया है। साथ ही यह भी बताना जरूरी है कि मीरा–भायंदर में भाजपा दो गुटों में बंट चुकी है और दोनों गुट एक दूसरे को अपना जानी दुश्मन मानते हैं।

फोन पर मिला संदेश आतंकवादी घुसने का अंदेशा

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड : मीरा – भायंदर, वसई –विरार पुलिस आयुक्तालय के पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर किसी अज्ञात व्यक्ति ने बताया कि मीरारोड में २ आतंकवादी घुसे हैं। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह फोन बुधवार रात को ८.२० बजे के आसपास गुजरात से आया था। पुलिस की प्राथमिक जांच में यह फोन किसी महिला के नंबर से पुरुष की आवाज में किया गया था। पुलिस इसकी जांच में जुटी हुई है। स्थानीय पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है। बता दें कि इन दिनों इस प्रकार की धमकी अब आम हो गई है है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी,मुंबई बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष आशीष शेलार, संजय राउत, फिल्म अभिनेता सलमान खान जैसे कई प्रमुख हस्तियों को धमकियां मिल चुकी है। इसी कडी में बुधवार रात को भी एमबीवीवि पुलिस कंट्रोल को भी धमकी आई है। जिसे गंभीरता से लिया गया है और पुलिस फोन की ट्रेसिंग करने तथा फोन करने वाले तक पहुंचने के प्रयास में जुट गई है।

बारिश के चलते मनपा अधिकारी कर रहे इलाकों का दौरा

जेकेएस संवाददाता

भायंदर। मीरा भायंदर मनपा आयुक्त एवं प्रशासक दिलीप ढोले ने पिछले दिनों समीक्षा बैठक के दौरान शहर में भारी बारिश होने की स्थिति में शहर के विभिन्न स्थानों पर पानी निकासी के लिए आवश्यक प्रयास करने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को तैनात करने के निर्देश दिए थे। २८ जून को शहर में सुबह से कुछ ही समय में १५० मिमी बारिश दर्ज की गई। जिसे मद्देनजर रखते हुए अतिरिक्त मनपा आयुक्त डॉ संभाजी पानपट्टे, उपायुक्त रवि पवार और सार्वजनिक निर्माण विभाग के कर्मचारियों ने शहर के निचले इलाकों में पानी जमा होने वाले स्थानों का निरीक्षण किया। बुधवार को शहर में १२.५ मीटर से अधिक ऊंचे ज्वार और उसी अवधि के दौरान बहुत भारी

वर्षा के कारण शहर के निचले इलाकों में पानी भर गया है। इस पृष्ठभूमि में, मनपा अधिकारियों ने शहर के सभी हिस्सों का निरीक्षण किया। और यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरती गई है कि नागरिकों को कोई असुविधा न हो। मनपा प्रशासन की ओर से नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे अपने सामान, वाहन निचले इलाकों में न रखें और उच्च ज्वार के दौरान भारी बारिश के दौरान एहतियात के तौर पर सतर्क रहें। अतिरिक्त मनपा आयुक्त डॉ संभाजी पानपट्टे एवं उपायुक्त रवि पवार के निर्देशानुसार बारिश के पानी की निकासी के लिए नीन विभिन्न स्थानों पर ६५ सेक्शन पंप लगाये गए हैं। अधिकारियों ने निरीक्षण किया कि उस पंप से पानी की निकासी हो रही है या नहीं। साथ ही भारी बारिश को देखते हुए अतिरिक्त आयुक्त संभाजी पानपट्टे और उपायुक्त रवि पवार ने अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को आपात स्थिति में तैनात रहने का निर्देश दिया।

नाला सफाई इस साल भी भष्ट्राचार की भेंट चढ़ गया

जेकेएस संवाददाता

भायंदर: मीरा भायंदर शहर में बारिश के कारण कई इलाकों में पानी जमा हो गया. जमा पानी से यहां के निवासी पूरी तरह त्रस्त दिखे. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने इस पानी में उतरकर अनोखा विरोध प्रदर्शन किया. राज ठाकरे की मनसे की मीरा भायंदर यूनिट ने पानी में नकली नोटों को बहाकर दर्शाया की, मीरा भायंदर महानगर पालिका इसी तरह टैक्स पेयर्स के पैसे ठेकेदारों को देकर बहा रही है। नालासफाई कुछ भी नहीं हुई है। मानसून शुरू होने से पहले मनपा नालों की सफाई कराती है। महानगर पालिका प्रशासन की ओर से हर साल यह कार्य कराया जाता है। इसी के अनुरूप इस साल भी काम किया गया है और मीरा भायंदर मनपा प्रशासन ने दावा किया था कि ९९ फीसदी नालों की सफाई हो चुकी है. लेकिन दूसरी और

तीसरी बारिश में ही महानगर पालिका के दावों की पोल खुलती हुई दिखाई दी। यानि की नाला सफाई इस साल भी भष्ट्राचार की भेंट चढ़ गया। ठेकेदार के सुपरवाइजर सिर्फ थोड़ा कचरा निकाल कर फोटो क्लिक कर भेज देते है और ठेकेदार उसे कंसर्नड ऑफिसर्स को फॉरवर्ड कर देता है। नाला सफाई पूरी तरह मीरा भायंदर में फेल दिखी। लगभग हर इलाके से जलभराव की खबरें और फोटो आ रही है। इसके विरोध में मनसे आक्रामक हो गई है. महानगर पालिका के खिलाफ विरोध में प्रदर्शन किया। मीरा भयंदर मनपा प्रशासन ने अगर जल्द ही पानी निकासी की कोई योजना नहीं बनाई तो मनसे इससे भी बडे.पैमाने पर आंदोलन की धमकी दी है.

उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों का करेगी सत्कार बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ चैरिटेबल ट्रस्ट

जेकेएस संवाददाता

भायंदर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान से प्रेरित होकर मीरा भायंदर के युवा समाजसेवी डॉ अजय लक्ष्मी नारायण दुबे ने २०१५ में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ चैरिटेबल ट्रस्ट स्थापना की है। ट्रस्ट के माध्यम से विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी मीरा भायंदर व मुंबई की १०वीं व १२वीं कक्षा की

उन बालिकाओं का सम्मान किया जाएगा, जिन्होंने इस वर्ष की एसएससी तथा एचएससी परीक्षा में ७० प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इस बारे में जानकारी देते हुए डॉ दुबे ने बताया कि ऐसी बालिकाएं अपने मार्कशीट की जेरोक्स कॉपी तथा दो फोटो, १५ जुलाई तक दोपहर १२ से शाम ६ बजे के बीच मीरा रोड के शांति पार्क, गोकुल विलेज, आर विंग, शॉप नंबर ४ स्थित कार्यालय में जमा कर रजिस्ट्रेशन करा सकती हैं। रजिस्टर्ड सभी बालिकाओं का २३ जुलाई, रविवार को मीरा रोड के कनाकिया रोड पर जांगिड़ आर्केडिया, जांगिड़ एनक्लेव में प्रथम मंजिल पर स्थित शहनाई सभागृह में दोपहर १२ बजे से शाम ४ बजे तक आयोजित भव्य कार्यक्रम में सम्मान किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल क्रमांक- ९९६७११९९५५/९९६७३३८८७७ पर संपर्क किया जा सकता है।

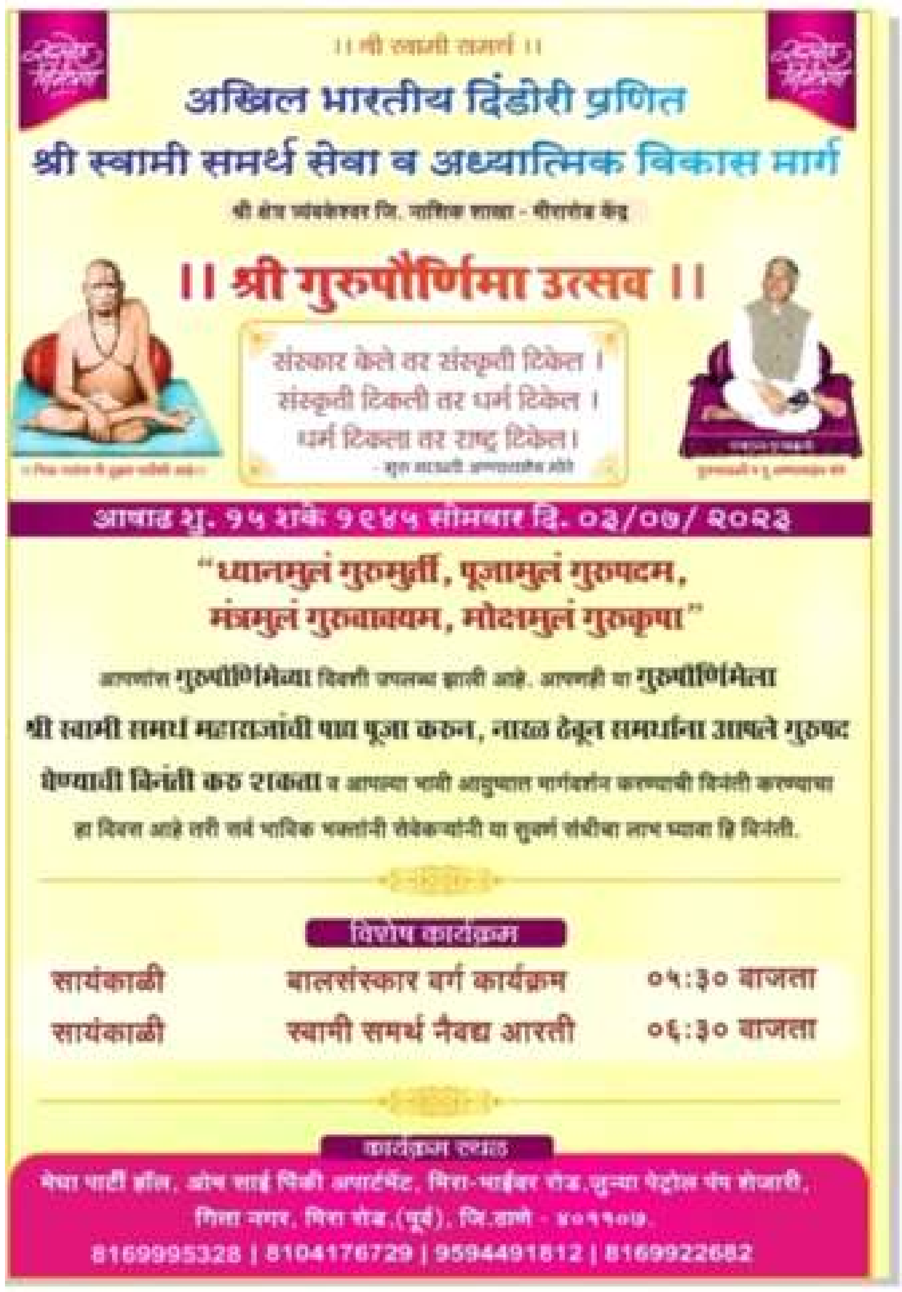

मिरा भाईंदर को नई सौगात, अगले वर्ष सीबीएसई स्कूल शुरू होगी

जेकेएस संवाददाता

भायंदर: मीरा भायंदर में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडऩवीस द्वारा केंद्र, राज्य सरकार और एमएमआरडी के माध्यम से ३००० करोड.से अधिक की लागत से किए जा विकास कार्यों का भूमि पूजन और उद्घाटन २ जुलाई को उनके आगमन पर किया गया। विधायक प्रताप सरनाईक अनुसार विशेष रूप से, मीरा के भायंदर के सामान्य घरों के मेहनती जरूरतमंद छात्रों को आधुनिक शिक्षा प्रदान करने के लिए मीरा भायंदर में सीबीएसई इंटरनेशनल स्कूल शुरू करने के प्रयास चल रहे हैं। व भायंदर पूर्व में निर्मित पांच मंजिला स्कूल भवन का उद्घाटन रविवार को किया जाएगा। अगले शैक्षणिक वर्ष से इस भवन में मनपा का सीबीएसई स्कूल शुरू किया जाएगा। प्रताप सरनाईक के अनुसार भाईंदर ईस्ट इंद्रलोक रिजर्वेशन नंबर ११५ भायंदर में स्कूल भवन का निर्माण पूरा हो चुका है। इस बेस प्लस पांच मंजिला इमारत का निर्माण एक डेवलपर से विकास अधिकार प्रमाणपत्र के बदले में किया गया है और इमारत पहले ही मनपा को हस्तांतरित कर दी गई है। इस इमारत के चारों तरफ बाउंड्री है और भू–दृश्यांकन किया गया है। इस स्कूल भवन में चार लिफ्ट भी हैं। प्रत्येक मंजिल पर छात्रों के लिए एक स्वतंत्र

छात्रावास है और इस भवन में १२५ केवी जनरेटर स्थापित किया गया है। विधायक प्रताप सरनाईक ने इस भवन में सीबीएसई स्कूल खोलने का निर्णय लिया है. सरनाईक ने पहले शिक्षा मंत्री से अनुरोध किया था कि सरकार मीरा भयंदर मनपा को अपने स्वयं के अंग्रेजी स्कूल शुरू करने की अनुमति दे और पहले पांच वर्षों के लिए मनपा को सब्सिडी दे। इसे उस समय शिक्षा मंत्री द्वारा सैद्धांतिक रूप से अनुमोदित किया गया था। गरीब निजी ।स्कूलों की लाखों रुपये की फीस वहन नहीं कर सकते ।इसलिए, सरनाइक ने मीरा भयंदर मनपा से सीबीएसई और आईसीएसई अंग्रेजी माध्यम स्कूल शुरू करने का अनुरोध किया। अब भयंदर पूर्व में यह पांच मंजिला स्कूल भवन अगले शैक्षणिक वर्षों के लिए सभी स्वीकृतियों के साथ पूरा हो गया है सभी अनुमतियां। लाने के बाद अगले शैक्षणिक वर्ष सीबीएसई बोर्ड के स्कूल शुरू किए जाएंगे। डिजिटल आधुनिक कक्षाएँ और सभी आवश्यक आधुनिक सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी। मैं इसके लिए विधायक निधि भी प्रताप सरनाईक उपलब्ध करवाएंगे जिससे यह स्कूल को हाईटेक होंगा। तथा छात्रों को आधुनिक शिक्षा मिलेगी.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक-मुद्रक सीमा गुप्ता के लिए (प्रिंटींग) सागर प्रिंट एंड प्रोसेस, प्रगती इंडस्ट्रीयल, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई - ४०००११ से मुद्रित १०१, १ला माला सेक्टर ११ सी-२८, टी.एम.टी. बस स्टॉप के पीछे, शांतिनगर, मीरारोड (पूर्व), जिला थाना ४०११०७ (महाराष्ट्र) से प्रकाशित संपादक - सीमा गुप्ता, सलाहकार : सुधाकर डी., पी.आर.बी अधिनियम के अंतर्गत समाचारों के चन के लिए उत्तरदायी है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र केवल जिला थाना रहेगा।
RNI NO. MAHHIN/2004/17839 Mob.No.9757262120 Email :newsjankalyanseva@gmail.com Jankalyan Seva GST No. 27AGUPG9011BIZI